प्राप्तांक : १००
प्रवेश शुल्क २५ रू.

बडी प्रतियोगिता अंक १९

अंतिम तिथि
15.10.2022

प्रश्न १ : भ. कुंथुनाथजी के जीवन चरित्र को पढकर निम्न प्रश्नों के सही उत्तर लिखे.

०१. कुंथुनाथ स्वामी का दीक्षा कल्याणक स्थान	०१. सहेतुक
०२. कुंथुनाथ स्वामी का दीक्षा वन का नाम	०२. विजया
०३. कुंथुनाथ स्वामी के दिक्षा वृक्ष का नाम	०३. हस्तिनापूर
०४. कुंथुनाथ स्वामी का मोक्ष प्राप्ति का स्थान	०४. तिलक
०५. कुंथुनाथ स्वामी के दीक्षा पालकी का नाम	०५. ज्ञानधरकूट
	०६. श्रीमती

प्रश्न २ : भ. कुंथुनाथजी के जीवन चरित्र से निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखे.

०१. कुंथुनाथ स्वामी के शरीर की उँचाई कितने धनुष थी ?	०१. ४२०
०२. कुंथुनाथ स्वामी के दीक्षा स्थल के वृक्ष की उँचाई कितने धनुष ?	०२. ५००
०३. कुंथुनाथ स्वामीका समवशरण कितने योजन था ?	०३. ३
०४. कुंथुनाथ स्वामी के साथ कितने राजाओं ने दीक्षा ली ?	०४. १०००
०५. कुंथुनाथ स्वामी के दीक्षा के बाद कितने दिन का उपवास रहा ?	०५. ४
	०६. ३५

प्रश्न ३ : यह चर्चा तत्वार्थसूत्र के कौनसे अध्याय मे मिलेगी बताये...

०१. मैथुन को अब्रम्ह पाप कहते है ...	०१. १० वाँ अध्याय
०२. भरत क्षेत्र ५२६ योजन विस्तार वाला है ...	०२. ०८ वाँ अध्याय
०३. मुक्त जीव लोकाग्र के भाग के आगे नही जाते...	०३. ०१ ला अध्याय
०४. मति, श्रुत, अवधि ये तीन ज्ञान मिथ्या भी होते है...	०४. ०७ वाँ अध्याय
०५. मायाचार तिर्यंच आयु के आस्रव का कारण है...	०५. ०६ ठा अध्याय
	०६. ०३ रा अध्याय

प्रश्न ४ : यह सूत्र तत्वार्थसूत्र के कौनसे अध्याय मे मिलेगी बताये...

०१. अवीचारं द्वितीयम्	०१. चतुर्थ अध्याय
०२. विजयादिषु द्विचरमाः	०२. प्रथम अध्याय
०३. द्वीन्द्रियादयस्त्रसाः	०३. तृतीय अध्याय
०४. तद्विपरीतं शुभस्य	०४. षष्ठम अध्याय
०५. द्विर्धातकीखण्डे	०५. द्वितीय अध्याय
	०६. नवमाध्याय

प्रश्न ५ : सहस्रनाम पढे और निम्न नाम कौनसे अध्याय मे आये है बताये...

०१. अनाश्रवसे	०१. प्रथम अध्याय
०२. अव्ययाय	०२. नवम अध्याय
०३. अनिद्रालवे	०३. चतुर्थ अध्याय
०४. अतुलाय	०४. दशम अध्याय
०५. अमोघाय	०५. सप्तम अध्याय
	०६. द्वितीय अध्याय

प्रश्न ६ : सहस्रनाम के अध्याय से नामों को जोडकर जोडी बनाये...

०१. द्वितीय अध्याय	०१. आप्ताय
०२. दशम अध्याय	०२. धीराय
०३. अष्टम अध्याय	०३. शक्ताय
०४. पंचम अध्याय	०४. योगिने
०५. प्रथम अध्याय	०५. अतुलाय
	०६. महते

प्रश्न ७ : वस्तु के एक देश जानने वाले ज्ञान को नय कहते है उनके भेदों को जोडकर जोडी बनाये...

०१. अपनी जाति का विरोध न करता हुआ एक पते से समस्त पदार्थो को ग्रहण करता है	०१. निश्चय नय
०२. लिंग संख्याकारक आदि के व्यभिचार को दूर करता है वह नय	०२. व्यवहार नय
०३. संसारी जीव भी शुद्ध, सिद्ध और स्वभाव से उर्ध्वगमन स्वभाववाला है यह नय	०३. शब्द नय
०४. जो अर्थ के संकल्प मात्र ग्रहण करता है वह नय	०४. ऋजुसुत्र नय
०५. संग्रह नय के द्वारा ग्रहण किये हुए पदार्थो को विधिपूर्वक भेद करता है वह नय	०५. संग्रह नय
	०६. नैगम नय

प्रश्न ८ : जीवादि पदार्थो को सम्यक प्रकार से जानने के उपाय को निक्षेप कहते है जानिये और जोडी बनाए...

०१. भिन्न आकार वाले पदार्थो में किसी भिन्न आकार वाले की कल्पना करना	०१. नाम निक्षेप
०२. लोक व्यवहार चलाने के लिये गुण जाति द्रव्यादि की अपेक्षा के बिना नाम रखना	०२. तदाकार स्थापना
०३. जो पदार्थ जैसा है उसको उस रूप कहना	०३. द्रव्य निक्षेप
०४. किसी धातु पाषाण काष्ट आदि मे किसी की कल्पना करना	०४. स्थापना निक्षेप
०५. भूत भविष्यत पर्याय की मुख्यता लेकर वर्तमान मे कहना	०५. भाव निक्षेप
	०६. अतदाकार स्थापना

Scanned with CamScanner

प्रश्न ९ : सम्यग्ज्ञान के आठ अंगो को पढकर सहि जोडी बनाये...

०१.	सम्यक शास्त्र एवं गुरुओं का पूर्ण रुप से आदर करना	०१.	कालाचार
०२.	शुद्ध अर्थ को ग्रहण करना	०२.	बहुमानाचार
०३.	शास्त्रों की विनय के साथ साथ पठन पाठन करना	०३.	उपधानाचार
०४.	आगम प्रणित समयानुसार स्वाध्याय करना	०४.	अर्थाचार
०५.	धारणापूर्वक ज्ञानाराधना करना	०५.	अभयाचार
		०६.	विनयाचार

प्रश्न १० : बारह भावनाओं का चितवन करके निम्न परीभाषा कौनसे भावना की है पहचाने और जोडी बनाये

०१.	यह शरीर अंदर से अत्यंत अपवित्र है...	०१.	आश्रव भावना
०२.	धर्म के स्वरुप का चिंतन करना...	०२.	एकत्व भावना
०३.	यह जीवन अकेला ही जन्म मरण करता है...	०३.	अशुचि भावना
०४.	इस संसार में देवी, देवता माता, पिता कोई सहारा नहीं...	०४.	अनित्य भावना
०५.	संसार की समस्त वस्तूए नाशवान है...	०५.	अशरण भावना
		०६.	धर्म भावना

प्रश्न ११ : भक्तामरजी के पाठ से निम्न शब्दों को खोजे और स्तोत्र की संख्या की जोडी बनाये...

०१.	नात्मसमं करोति...	०१.	४२
०२.	मयुखशिखाभिरामो...	०२.	०८
०३.	भवतो नितान्तम्...	०३.	१९
०४.	ननूद बिन्दुः...	०४.	२८
०५.	भूपतीनाम...	०५.	१०
		०६.	३६

प्रश्न १२ : भक्तामरजी के स्तोत्र की संख्या वि है उसमे कौनसा शब्द आता है जोडी बनाये...

०१.	काव्य क्र. ४६	०१.	निर्जित
०२.	काव्य क्र. १३	०२.	नलिनी
०३.	काव्य क्र. २९	०३.	पादो पदानि
०४.	काव्य क्र. ०८	०४.	परिहास
०५.	काव्य क्र. ३६	०५.	शिखाविचित्रे
		०६.	बृहन्निगड

प्रश्न १३ : स्थान विशेष को पहचाने और जोडी बनाये...

०१.	अंजनचोर की जन्मभूमि	०१.	अष्टापद
०२.	जहाँ असुर कुमार आपस में लडवाते है वह स्थान	०२.	कुण्डलपूर
०३.	जहाँ चंद्र सूर्य नही होते वह स्थान	०३.	राजगृही
०४.	जहाँ की पंच पहाडी प्रसिद्ध है वह स्थान	०४.	स्वर्ग
०५.	श्रीधर केवली मोक्ष गये वह स्थान	०५.	नरक
		०६.	विजयपूर

प्रश्न १४ : छहढाला की ढाल कर्मास्रव के लिए उपयोगी है पढकर बताये निम्न लाईने कौनसी ढाल से ली है

०१.	उत्तम मध्यम जघन त्रिविध के अंतर आतम ज्ञानी	०१.	पहली ढाल
०२.	यों श्रावक व्रत पाल, स्वर्ग सोलम उपजावे	०२.	दुसरी ढाल
०३.	ये दुख बहुसागर लौ सहे,	०३.	तिसरी ढाल
०४.	कपिलादि रचित श्रुत को अभ्यास	०४.	पांचची ढाल
०५.	मुनि साथ में वा एक विचरे, चहे नहीं	०५.	चौथी ढाल
		०६.	छठी ढाल

प्रश्न १५ : छहढाल के अधुरे काव्य को पूरा करें...

०१.	जीव प्रदेश बँधे...	०१.	ठान
०२.	गमनागमन प्रमाण...	०२.	ज्ञान
०३.	आतम हित हेतु विराग...	०३.	विधिसों
०४.	सम्यकता न लहै सो...	०४.	त्याग
०५.	इक वार दिन में ले...	०५.	दर्शन
		०६.	अहार

प्रश्न १६ : चक्रवर्ती के वैभव को जानकर उत्तर लिखे...

०१.	चक्रवर्ती रसनेन्द्रिय से कितने योजन तक के विषय जान लेते है	०१.	पद्म
०२.	चक्रवर्ती के नवनिधियों मे वस्त्र प्रदान करने वाली निधि...	०२.	माणवक
०३.	चक्रवर्ती के नवनिधि में विभिन्न आयुध प्रदान करती निधि...	०३.	स्त्री
०४.	चक्रवर्ती के श्रोतेन्द्रिय का विषय कितने योजन का है...	०४.	९
०५.	चक्रवर्ती के १४ रत्न में पट्टरानी कौनसा रत्न है...	०५.	चुडामणि
		०६.	१२

Scanned with CamScanner

प्रश्न १७ : आगम में व्यवहार काल के वर्णन मिलते है परीभाषाओं से उसे पहचानिये...

०१.	असंख्यात समयों की एक...	०१.	अन्तर्मुहर्त
०२.	संख्यात आवलियों का एक...	०२.	आंवली
०३.	एक समय से अधिक और मुहूर्त से कम...	०३.	युग
०४.	दो पक्षों का मिलकर एक...	०४.	उच्छवास
०५.	पांच वर्षों का एक	०५.	अयन
		०६.	माह

प्रश्न १८ : ढाई द्वीप मे कितने चंद्र है इनको आगम से जानकर उत्तर लिखे...

०१.	पुष्करार्ध द्वीप मे कितने चंद्र है...	०१.	०२
०२.	लवण समुद्र में कितने चंद्र है...	०२.	४२
०३.	कालोदधि समुद्र में कितने चंद्र है...	०३.	१२
०४.	धातकी खण्ड द्वीप में कितने चंद्र है...	०४.	०४
०५.	जम्बूद्वीप में कितने चंद्र है...	०५.	०८
		०६.	७२

प्रश्न १९ : अटपटे प्रश्नों के चटपटे उत्तर...

०१.	अगल बगल घास फूस बीच मे तबेला, दिन भर भीड भाड रात में अकेला	०१.	फव्वारा
०२.	एक वृक्ष चाँदी का यार, मोती उसके पडे हजार । झर झर मोती झरे अनेक, हाथ में न आवे एक ।।	०२.	उल्लू
०३.	रात में निकले चोर नहीं, नामी पक्षी मोर नहीं । आँखे है पर होता अंधा, रात मे करें पेट का धंधा ।।	०३.	जुगनू
०४.	जो मेरे बीच में आयेगा, टूकडे टुकडे हो जायेगा । जो मेरा नाम बतायेगा, बुद्धिमान कहलायेगा ।।	०४.	कुँआ
०५.	चमकूं हूँ पर बिल्ली नहीं, उडता हूँ पर पक्षी नहीं । रात में चमकूं चन्दा नहीं, मुझको ढूंढो और कहीं ।।	०५.	अनार
		०६.	कैंची

प्रश्न २० : सवाल ऐसे जो दिमाग की बत्ती जला दे...

०१.	शनिवार सहित चार शनिवारों के बीच कितने दिन होते है	०१.	२६
०२.	७ और ५ का जोड तथा ७ और ५ के अंतर का अंतर बताये	०२.	२४
०३.	एक फुट उँची खाट में ८ किलो रस्सी लगती है तो तीन फुट उँची खाट में कितनी रस्सी लगेगी ?	०३.	०८
०४.	एक वर्गाकार खेत की प्रत्येक पंक्ति में सात पेड है तो उसके चारों तरफ कुल कितने पेड है ।	०४.	१०
०५.	एक तालाब में २६ मछलीयाँ है इनमें से २ मर गई तो तालाब में अब कितनी मछलीयाँ है ।	०५.	२८
		०६.	२२

: प्रवेश शुल्क :

- उत्तर पत्रिका ऑनलाईन सबमिट करने पर : २५ रु.
- डाक द्वारा उत्तर पत्रिका भेजने पर : ३० रु.
- व्हॉटसॅप पर उत्तर पत्रिका का फोटो निकालकर भेजने पर : ४० रु.

Whatsapp No : 9421443513 Pay tm, G Pay, Phone Pay : 9421443513

ऑनलाईन पत्रिका जमा करने के लिए अपने मोबाईल में प्ले स्टोर पर SANMATI टाईप करके एप्लीकेशन डाऊनलोड करे । स्क्रीन शॉट अवश्य भेजे ।

व्हॉटसॅप करने की जानकारी

इसका फोटो निकालकर 9421443513 पर भेजे । संलग्न ४० रु प्रवेश शुल्क भेजने का स्क्रिन शॉट भी भेजे।

उत्तर पुस्तिका भेजने का पता

सन्मति प्रतियोगिता
मेन रोड, मांगीतुंगी तह. सटाना
जिला नासिक महा. ४२३३०२

Scanned with CamScanner

सन्मति प्रतियोगिता के सभी अंको मे पुछे गये प्रश्नों को विस्तार सहित उत्तरों का ग्रंथ निर्माण...

सन्मति प्रश्नोत्तरी ग्रंथ

अत्यल्प दान राशी से शास्त्रदान का अपूर्व लाभ ले...

सन्मति सेवा दल मध्यवर्ती समिति महाराष्ट्र द्वारा माँ जिनवाणी के प्रचार प्रसार में समर्पित सन्मति प्रतियोगिता के उपक्रम से हजारों परिवार विगत १८ वर्षो से लाभान्वित हो रहे है। सभी की भावना थी की प्रतियोगिता में पुछे गये सभी प्रश्नों के विस्तार सहित उत्तरों के साथ एक **सन्मति प्रश्नोत्तरी ग्रंथ** का निर्माण हो। आप सभी की भावनाओं का सन्मान करते हुये संस्था ने इसे प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। २५ हजार प्रतिया प्रकाशित कर वितरीत किये जायेंगे।

प्रकाशन कार्य में केवल २००० रूपये प्रदान करने वाले १०८ सौभाग्यशाली पुण्यात्माओं की आवश्यकता है जिनके प्रकाशन सहयोगी के रुप में ग्रंथ पर फोटो प्रकाशित होंगा।

किसी भी वस्तु को निःशुल्क देने पर उसकी गरिमा भंग हो जाती है। इसलिये पुरे भारत में इस ग्रंथ को अत्यल्प राशि में वितरीत किया जायेगा। आपके द्वारा प्रदत्त राशि इस ग्रंथ के मुल्य को कम कराने में सहायक होंगी।

अपने परिवार के द्वारा शास्त्रदान हेतु सहयोग राशि प्रेषित करने के भाव से आज ही अपना नाम ९४२१४४३५१३ इस नंबर पर आरक्षीत करें पूर्व मे जिन्होने भी इस योजना मे अपना शुभ नाम दिया है वे धन्यवाद के पात्र है। अभी भी करीब ६५ नामों की आवश्यकता है। धन्यवाद!

नोट : यह ग्रंथ कैसे बनेगा यह जानने के लिये हम आपको पी.डी.एफ. भेज सकते है, ९४२१४४३५१३ पर संपर्क करे।

प्रधान संपादक
जीवन दादा पाटील (कासार शिरसी)

प्रधान संयोजक
पं. शैलेशभाई जैन 'शैलेन्द्र' (मांगीतुंगी)

प्राप्तांक : १०० प्रवेश शुल्क २५ रू.

बडी उत्तर पुस्तिका अंक १९

अंतिम तिथि 15.10.2022

प्रतियोगी का पूरा नाम _____

पूरा पता – _____

गांव _____ तहसील _____ जिला _____

राज्य _____ पिनकोड _____ जन्म तिथि / /

मोबाईल नंबर _____

प्रश्न ०१	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न ०२	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न ०३	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न ०४	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न ०५	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न ०६	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न ०७	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न ०८	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न ०९	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न १०	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न ११	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न १२	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न १३	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न १४	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न १५	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न १६	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न १७	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न १८	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न १९	०१		०२		०३		०४		०५	
प्रश्न २०	०१		०२		०३		०४		०५	

Scanned with CamScanner